BIJENDRA PUBLIC SCHOOL

Class - 8

Subject : HINDI COURSE BOOK

पाठ – 12 अंधेर नगरी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

क. महंत ने गोवर्धनदास और नारायणदास को किस ओर भेजा और क्यों?

उत्तर महंत ने गोवर्धनदास को पश्चिम और नारायणदास को पूर्व की ओर भेजा ताकि वे भिक्षा माँग कर ला सकें। भूख को शांत करने के लिए यह आवश्यक था।

ख. राजा ने न्याय कैसे किया?

उत्तर राजा ने न्याय निहायत ही अन्यायपूर्ण ढंग से किया। दीवार गिरने से बकरी दब कर मर गई। इसमें किसी का दोष नहीं था। फिर भी कोतवाल को फाँसी की सज़ा दी गई। फाँसी का फंदा बड़ा पड़ जाने के कारण कोतवाल को फाँसी नहीं दी जा सकी और तब मोटे गर्दन वाले व्यक्ति को ढूँढ़ा गया और गोवर्धनदास उस चक्कर में फँस गया। महंत ने अपनी चतुराई से उसे बचाया।

ग. सभी फाँसी पर क्यों चढ़ना चाहते थे?

उत्तर महंत से यह सुनकर कि 'इस समय ऐसी शुभ घड़ी में जो मरेगा, वह सीधा स्वर्ग जाएगा' सभी फाँसी पर चढ़ना चाहते थे। सभी को स्वर्ग का लालच हो गया था।

घ. उपर्युक्त कहानी को पढ़कर वहाँ के राजा का चरित्र–चित्रण कीजिए।

उत्तर 'अंधेर नगरी' एकांकी का एक महत्वपूर्ण पात्र 'राजा' का चरित्र एक हास्यास्पद व्यक्ति का है। वह ऐसा व्यक्ति है जो मूर्खता का पर्याय है। वह अंधेरनगरी का राजा है किन्तु सोचने–समझने की क्षमता उसमें नहीं है।

कल्लू बनिये की दीवार गिरने से फरियादी की बकरी मर गई। राजा ने इसके लिए कल्लू बनिये से लेकर हर उस व्यक्ति को दरबार में बुलवाया जिसका नाम सामने आया। व्यक्ति के दोषी होने या निर्दोष होने पर उसने विचार नहीं किया। अंततः कोतवाल को उसने फाँसी दे दी। उसकी पतली गर्दन में फाँसी का फंदा बड़ा पड़ गया। बकरी मरने के अपराध में किसी–न–किसी को सजा होना जरूरी है यह मानकर उसने गोवर्धनदास को पकड़ कर मँगवाया और फाँसी पर चढ़ाने की बात होने लगी।

महंत अपनी चतुराई से शिष्य को बचाने का प्रयास करते हैं और स्वयं फाँसी पर चढ़ने की बात करते हैं। गुरू–शिष्य में फाँसी पर चढ़ने की बात होने लगती है। उनसे यह जानकर कि उस समय शुभ घड़ी में मरनेवाला स्वर्ग जाएगा, राजा ने स्वयं को फाँसी पर चढ़वा लिया।

इस प्रकार उसका चरित्र मूर्ख एवं अविवेकी व्यक्ति का है जो किसी भी कथन पर आँख मूँद कर विश्वास कर लेता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

क. नगरी में सबसे आनंद की बात क्या थी?

उत्तर नगरी में सबसे आनंद की बात यह थी कि वहाँ सभी चीजें टके सेर थीं। कम परिश्रम में भी इतना कुछ प्राप्त हो जाता था कि स्वादिष्ट व्यंजन का आनंद लिया जा सके।

ख. गोवर्धनदास नगर को छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहता था?

उत्तर गोवर्धनदास को अंधेर नगरी में कम समय में ही भिक्षा में सात पैसे मिल गए थे। उस पैसे से उसने साढ़े तीन सेर मिठाई खरीदा था। इस तरह कम मेहनत में भी भरपेट स्वादिष्ट व्यंजन मिल जाने से उसके मन में लालच आ गया था। इसी कारण वह उस नगर को छोड़कर नहीं जाना चाहता था।

ग. महंत ने नगर छोड़कर जाते समय उससे क्या कहा?

उत्तर महंत ने नगर छोड़कर जाते समय उससे (गोवर्धनदास से) कहा था कि उनकी बात न मानने पर उसे पछताना पड़ेगा। हाँ, कभी वह संकट में पड़े तो अवश्य उन्हें याद करे।

घ. गोवर्धनदास को किस जुर्म में फाँसी की सजा दी जा रही थी?

उत्तर कल्लू बनिये की दीवार गिरने से बकरी की मौत हो जाने के जुर्म में गोवर्धनदास को फाँसी की सजा दी जा रही थी।

ङ महंत ने गोवर्धनदास की जान कैसे बचाई?

उत्तर महंत ने गोवर्धनदास की जान अपनी चतुराई से बचाई। उन्होंने उसे तरकीब बताया। दोनों ही फाँसी पर चढ़ने के लिए आपस मे हुज्जत करने लगे। राजा के पूछने पर उन्होंने बताया कि ऐसी शुभ घड़ी में मरने वाला सीधा स्वर्ग जाएगा। यह सुनकर अन्य सभी फाँसी पर चढ़ने के लिए तत्पर हो गए किन्तु राजा ने स्वयं को फाँसी पर चढ़वा लिया और गोवर्धनदास की जान बच गई।

च. प्रस्तुत कहानी से आपको क्या संदेश मिलता है?

उत्तर प्रस्तुत कहानी से हमें यह संदेश मिलता है कि जिस स्थान या देश में अविवेकी लोग रहते हों, अविवेकपूर्ण व्यवहार ही किया जाता हो, उस स्थान या देश में रहना असुरक्षित है। कभी भी जान जाने की स्थिति आ सकती है। अतः उस स्थान का तत्क्षण त्याग कर देना चाहिए।

4. मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न महंत ने यह क्यों कहा कि इस नगरी में रहना ठीक नहीं है? आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं?

उत्तर 'अंधेर नगरी' की अविवेकपूर्ण व्यवस्था को देखकर बुद्धिमान महंत यह समझ गए थे कि स्थान में रहना खतरनाक है। कभी भी मृत्यु से पाला पड़ सकता है। इसलिए उन्होंने कहा कि इस नगरी में रहना ठीक नहीं है। मैं इस कथन से पूर्णतः सहमत हूँ। जिस स्थान में विवेकपूर्ण और न्यायपूर्ण व्यवस्था का अभाव हो वहाँ कभी भी संकट से संकट से सामना हो सकता है। ऐसी स्थिति से बचना ही उचित है।

5. सही विकल्प के सामने शुद्ध (✓) का चिह्न लगाइए –

क. नगरी का नाम क्या था?

✓ अंधेर	चौपट	खाजा

ख. अंधेर नगरी के राजा का क्या नाम था?

पोपट	✓ चौपट	कलमू

ग. अंत में किसे फाँसी दी गई?

कोतवाल को	महंत को	✓ राजा को